SEM-3, SE-301, By- Dr Shyam Bihari Chaube
TOPIC - Identification of learning disable childhood

Camlin Page (1) Date 14/10/202

शिक्षा और मनोविज्ञान के क्षेत्र मे होने वाले विभिन्न गतिविधियों मे अधिगम अक्षम या अपंग बालकों की पहचान कैसे हो इस बात के लिए मुख्य रुप से दो रास्ते अपनाये जा सकते है। एक जिसमे बुद्धि परीक्षणो की तरह ऐसे परीक्षणों को काम मे लाया जाए जिनसे बालकों की अधिगम संबंधी अक्षमताओं का पता लगे और दूसरा वह जिसमे परीक्षण से अतिरिक्त ऐसे व्यवहार तकनीकों का उपयोग किया जाए जिनके द्वारा अप्रत्यक्ष रुप से बालक की अधिगम अक्षमता या उससे संबंधित लक्षण प्रकाश मे आ जाए

① परीक्षण रहित प्रविधियाँ Non Testing devices

इस प्रकार की प्रविधियो मे अधिगम अक्षमता की पहचान हेतु हम निरीक्षण, रेटिंग, चैक लिस्ट, साक्षात्कार आदि तकनीकों का प्रयोग करते है। इसके लिए पहले हम उन सभी व्यवहार तथा व्यक्तित्व जन्य विशेषताओं की किसी उचित सूची को अपने सामने रखते हैं और फिर निरीक्षण, रेटिंग लिस्ट, चैकलिस्ट, साक्षात्कार आदि व्यवहार और व्यक्तित्व मापन तकनीको का उपयोग करके यह पता लगाते हैं कि किसी बालक विशेष मे उन सभी व्यक्तित्व गुणों या ~~मापन तकनीकों का उपयोग करके यह पता लगाते हैं कि किसी बालक विशेष मे~~ व्यवहारजन्य बातों की कितनी मात्रा या उनका कैसा स्तर है जिससे उन्हें अधिगम की दृष्टि से अक्षम या अपंग घोषित किया जा सके। व्यक्तित्व एवं व्यवहार मापन की इन तकनीकों का प्रयोग करने के अतिरिक्त हम शिक्षकों के तथा उन सभी के जो बालकों को निकट से जानते हो। उन सभी विचारों या दृष्टिकोणों को भी अपने सामने रख सकते है जिनके द्वारा बालकों की अधिगम कठिनाइयों, अक्षमताओं तथा असमर्थताओं के स्तर के बारे मे उचित जानकारी प्राप्त हो सके